वर्ष - 20

32 PAGES ANSWER BOOK

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

विषय Subject : हिन्दी

विषय कोड Subject Code : 051

परीक्षा की दिनांक /Date of Exam : 020323

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper : हिन्दी

प्रश्न पत्र का सेट Set of the Question paper : B

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :-
गलत तरीका :-

नोट :- इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक		अंकों में

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO. 6408232
SUB. 051 - HINDI
pt. 2
Bag. 40511341

99.1mm x 33.9mm x 18

R. Tripathi 9450222

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

➔ प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
9450230	Sourastriya (U.M.T.) 9755734024 V.No. 148

प्रश्न क्र.

प्रश्नक्रमांक- (1) का उत्तर

I) (अ) छत्ताजी राव के यहाँ।

II) (ब) नाभिक।

III) (स) शब्दालंकार।

IV) (अ) चार कालों में।

V) (ब) बाल में कंघी करती है। कपड़े पहनाती है।

VI) (स) पैसे की।

प्रश्न क्रमांक (2) का उत्तर

(I) संवाद लिखते समय लेखक गायब हो जाता है।

(II) लुट्टन के माता-पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चले गए थे।

(III) भूषण रीतिकाल में वीर रस के कवि हुए।

(IV) खेत की तुलना कागज के पन्ने से की गयी है।

(V) यशोधर बाबू ने दफ्तर से लौटते हुए रोज बिड़ला मंदिर जाने की रीति बनाई।

PRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECON

क्र.

(ज) जिस वाक्य में एक उद्देश्य तथा एक विधेय होता है, उसे सरल वाक्य कहते हैं।

(झ) जिन छन्दों में मात्राएँ गिनी जाती हैं उन्हे मात्रिक कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक - (3) का उत्तर

सही जोड़ी —

(क)	—	(ख)
I) मस्ती का संदेश	—	हरिवंशराय बच्चन
II) चौपाई छन्द	—	16 मात्राएं
III) चित्रकार	—	चितेरा
IV) सम्पादकीय पृष्ठ	—	अखबार की अपनी आवाज
V) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग	—	भक्तिकाल
VI) छायावाद के प्रवर्तक कवि	—	जयशंकर प्रसाद।

प्रश्न क्रमांक - (4) का उत्तर

I) ढोल की आवाज मृत - गाँव मे संजीवनी शक्ति भरती रहती थी। (पहलवान की ढोलक)।

II) कवि ने स्लेट पर खड़िया लाल खड़िया मलने की बात कही है।

III) ~~सोरठा~~ सोरठा छन्द मात्राओं की दृष्टि से दोहा छन्द का उल्टा होता है।

प्रश्न क्र.

V) ऐसा लघु वाक्यांश जिसके प्रयोग से भाषा मे सौंदर्य उत्पन्न होता है, मुहावरा कहलाता है।

VI) रेडियो नाटको मे पात्रों की पहचान संवाद माध्यम से होती है।

VII) सिन्धु-घाटी सभ्यता मे अंगूर और खजूर फल उगाए जाते थे।

VIII) 'चन्द्रगुप्त' किसकी नाट्य रचना है?
उत्तर- जयशंकर प्रसाद।

B S E

प्रश्न क्रमांक - (5) का उत्तर

I) सत्य।
II) सत्य।
III) असत्य।
IV) सत्य।
V) असत्य।
VI) असत्य।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (6) का उत्तर (अथवा)

अथवा

लक्षणा शब्द शक्ति :-
जिस शब्द शक्ति से प्रचलित अर्थ या मुख्य अर्थ का बोध न होकर उससे सम्बन्धित अन्य अर्थ का बोध हो, उसे लक्षणा शब्द शक्ति कहते है।
उदाहरण - (I) वह शेर है।
(II). वह लड़का गधा है।

प्रश्न क्रमांक - (7) का उत्तर

तकनीकी शब्द :-
तकनीकी शब्द वे शब्द जो किसी विषय से सम्बन्धित ऐसे शब्द का प्रयोग किया जाता है जिसका मुख्य रुप से प्रयोग उस विषय की चर्चा के लिए किया जाता है, उसे तकनीकी शब्द कहते है। "भौतिक विज्ञान" मे तकनीकी शब्द जैसे - "गुरुत्वाकर्षण", "वेग", "त्वरण", "आवृत्ति" आदि है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (9) का उत्तर

कवि ने अपने खेत में विचार का बीज बोया था।

प्रश्न क्रमांक - (10) का उत्तर (अथवा)

लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी गये थे।

प्रश्न क्रमांक - (15) का उत्तर (अथवा)

सन्देह अलंकार =

जहाँ रूप, रंग और गुण की समानता के कारण किसी वस्तु को देखकर यह निश्चित निश्चय न हो कि यह वही वस्तु है, वह संदेह अलंकार होता है। सन्देह अलंकार में अंत तक संशय बना रहता है।

उदाहरण —

"सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है
कि सारी ही की नारी है कि नारी ही की सारी है"

प्रश्न क्रमांक - (13) का उत्तर

लेखक के पिता ने आनन्द को पाठशाला भेजते समय यह शर्त रखी कि खेती के सारे काम और पशुओं के चराने के कार्य पूर्ण हो जाने पर ही वह स्कूल जाता था। यह उनकी शर्त थी। लेखक सुबह 11 बजे तक खेती का काम करता और शाम को वापस

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

04 बंजे आकार खेती के काम में लग जाता। इस प्रकार आनन्द ने यह शर्त स्वीकार कर ली।

प्रश्न क्रमांक – (12) का उत्तर

शिरीष का पेड़ बड़ा और छायादार वृक्ष होता है। शिरीष के पेड़ को बहुत कोमल माना जाता है। इसके पत्ते आम के पत्ते जैसे होते हैं और फल सेम के बीज जैसे। शिरीष का पेड़ वसन्त के आगमन से लेकर भाद्रो मास तक बिना किसी बाधा के पुष्पित होता रहता है।

प्रश्न क्रमांक – (11) का उत्तर

जेब के भरे होने और मन के खाली होने पर मन की यह दशा होती है कि वह मन में बाजार का जादू चढ़ने लगता है। बाजार का जादू आकर्षक वस्तुएं, और तड़क – भड़क वस्तुओं को खरीदा जाता है, तो वह जादू के गिरफ्त में आ जाता है। जब मानव का जेब भरा होता है तो वह अनावश्यक वस्तु को खरीदे जाता है। जिसकी हमें जरूरत भी नही होती है उसे खरीद लिया जाता है। फिर बाद में पता चलता कि ये सब फिजूल की बात है। इससे समय और धन की नष्ट होती है। इसलिए हमें जरूरत और आवश्यकता होने पर ही वस्तु खरीदने चाहिए।

EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – (18) का उत्तर

हरिवंशराय बच्चन

I) दो रचनाएँ – मधुशाला, मधुबाला आदि।

II) भावपक्ष – कलापक्ष

भावपक्ष –

बच्चन जी अपने रचनाओं के माध्यम से अतिसाधारण विषय-वस्तु को भी बहुत महत्व देते हैं। इस कारण वह जन भावनाओं को स्पर्श कर राष्ट्रीय जनकवि का चरित्र-चित्रण कर सके। संघर्षशील जीवन और पुनर्निर्माण की भावना या प्रेरणा काव्य के मुख्य शिखर हैं। ये मुख्य शिखर प्रेम, मस्ति और दीवानगी के हैं। इन्होंने सामयिक विषयों पर अपनी लेखनी को गति दी। आपने काव्य में संवेदन सहज काव्य रचना की है।

B S E

कलापक्ष –

बच्चन जी ने लाक्षणिक वक्रता के साथ-साथ सीधी-सादी जीवंत भाषा और अभिधा के माध्यम से पाठकों से सीधा संवाद करती है। सामान्य बोलचाल की भाषा काव्य की गरिमा प्रदान करने का श्रेय बच्चन जी को माना जाता है। आपके काव्य के कला में सादगी और सरलता है।

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान —

आधुनिक युग के प्रगतिवादी कवियों में आपका स्थान महत्वपूर्ण है। आप हिन्दी काव्य जगत के लोकप्रिय कवि है।

प्रश्न क्रमांक — (17) का उत्तर

धर्मवीर भारती

(I) दो रचनाएँ —

अंधायुग, ठण्डा लोहा, कनुप्रिया।

(II) भाषा - शैली —

~~आपकी~~ आपकी भाषा सरल, सजीव और प्रभाव पूर्ण है। आपने अपने साहित्य में हिन्दी खड़ी बोली का प्रयोग किया है। आपने मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग किया। आपने अपने लेखन में छन्द - अलंकारों का प्रयोग बड़े ही सुन्दर और रोचक पूर्ण किया है।

शैली — आपने अनेक शैलियों का प्रयोग किया है जो इस प्रकार है —

I) भावात्मक शैली
II) वर्णात्मक शैली,
III) विवेचनात्मक शैली,
IV) वर्णनात्मक शैली आदि।

साहित्य में स्थान → आप एक गंभीर और चिंतक लेखक माने गये है। हिन्दी साहित्य में आपका नाम सदैव लिया जायेगा।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (20) का उत्तर

सेवा में,

श्रीमान जिलाधीश महोदय,
नर्मदा - नगर इन्दौर (म.प्र.) ।

विषय - ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु।
महोदय जी,

सादर निवेदन है कि जो समय चल रहा है, वह हमारी परीक्षा का महत्वपूर्ण समय है। इस समय हम अपनी परीक्षा की तैयारी करते है तो कई मुहल्ले में लाउडस्पीकर की जोर - जोर से आवाज बजती रहती है। रात मे सोने तक नही देती है और नींद नही आती है। ध्वनि प्रदूषण से हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। ये हमारी पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न करते है जिस प्रकार हम अपनी पढ़ाई ठीक तरीके से नही करते है।

अतः श्रीमान जी से सादर निवेदन है कि इस ~~समस्या~~ समस्या का समाधान जल्द से जल्द करे। ध्वनि विस्तारक यंत्र पर तुरन्त या तत्काल रोक लगाने चाहिए।

धन्यवाद !

प्रार्थी
नाम - क, ख ।

दिनाँक 02/03/2023

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक- (22) का उत्तर (अथवा)

सन्दर्भ -

प्रस्तुत काव्यांश या पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग - 2 में संकलित 'बादल राग' कविता से लिया गया है इसके कवि "सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी" है।

प्रसंग ⇒

इस पद्यांश में कवि में बादल के बरसने के बाद परिवर्तन को दर्शाया गया है —

व्याख्या ⇒

इस पद्यांश के माध्यम से कवि कहता है कि कोई कमरे के ऊपर कोई मकान है। जिस प्रकार समुद्र के ऊपर वायु बहती है उसी प्रकार चंचल के सुख पर दुःख की छाया रहती है। अस्थिर सुख पर दुःख की छाया कवि का यह आशय है कि दुःख और सुख जीवन में आते ही रहते है। ये कभी स्थायी नहीं होती है। दुःख की छाया मानव जीवन में आने वाले दुःख, और कष्ट। रणतरी बादल को कहा गया है। क्रांति का प्रतीक है। उसकी यह आकांक्षा है कि वह धरती पर सूर्य की गर्मी, प्यासे धरती वासियो की प्यास बुझाऊ और तपती ताप से पीड़ित व्याकुल। यहां पर ऐ विप्लव के बादल घनघोर वर्षा कराने वाले बादल को कहा गया है। यहां बिजलियाँ चमकाते है। इससे सारा जीवन अस्त - व्यस्त हो जाता है।

विशेष ः रणतरी बादल को कहा गया है।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – 23 का उत्तर

संदर्भ –

प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 में संकलित "पहलवान की ढोलक" नामक पाठ से अवतरित किया गया है। इसके लेखक – फणीश्वर नाथ जी है।

प्रसंग –

श्यामनगर मेले में कुश्ती का वर्णन किया गया है।

व्याख्या ⇒

एक बार वह "दंगल" देखने श्यामनगर में मेला लगाया गया था। कुश्ती की दंगल थी। उसे देखने के लिए दंगल में कुश्ति देखने आया। ~~पहलवा~~ पहलवानो की कुश्ती और दांव-पेंच देखकर उससे नहीं रहा गया। लुट्टन पहलवान पहलवान ~~बच्~~ बचपन में ही पहलवानी प्रकृति का था। वह ढोल की ललकारती आवाज और नसों में बिजली की उत्पन्न ने चाँदसिंह को हरा दिया। लुट्टन की वेशभूषा ~~कुछ~~ घुटनों तक लम्बा चुंगा और ~~ब~~ अस्त-व्यस्त धोती पहनकर हाथी ~~म~~ वाले जैसे दंगल के मैदान में कुश्ती के लिए घुमते। इस प्रकार उन्होंने चाँदसिंह "शेर के बच्चे को" चुनौती दे डाली।

विशेष ः–

पहलवान की ढोलक में लुट्टनसिंह पहलवान था। वह कुश्ति किया करता है।

B S E

क्र.

प्रश्न क्रमांक - (8)

I) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।
II) जंगल में शेर दहाड़ने लगा।

प्रश्न क्रमांक - (17) (अथवा)

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक - हास्य व्यंग्य माध्यम।

(ख) हास्य-व्यंग्य एक ऐसा माध्यम है, जो नीरस जीवन को भी सुखद बना देता है।

(ग) गद्यांश का सार -

यह हमेशा संघर्ष, तनाव और द्वुन्द का सामना करना चाहिए। और हमें इससे डरकर इन परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। हमें मुश्किल में भी हँसना चाहिए।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (21)

वृक्षों की उपयोगिता

रूपरेखा :- 1) वृक्ष के लाभ
2) वृक्ष वर्षा कराने में सहायक।
3) वृक्षों के उपयोग।
4) वृक्ष हमें अत्याधिक लगाना।
5) वातावरण को शुद्ध करना।
6) उपसंहार।

B S E

प्रस्तावना :- वृक्ष हमारे लिए बहुत ही उपयोगी है। वृक्ष और मानव और प्राणियों में भ्रातृत्व की भावना जागृत हो गई है। इसका मानव जीवन में बहुत उपयोगी। वृक्ष हमें ऑक्सीजन वायु प्रदान करते हैं जिससे मानव जीवित रहते हैं।

वृक्ष वर्षा कराने में सहायक :- वृक्षों से हमें वर्षा कराने में सहायक होते हैं। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए। और दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। वृक्षों हमें बहुत सी सामग्री उत्पन्न प्रदान करती है। भूमि का संरक्षण में भी सहायक है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

3) **वृक्षों के उपयोग :**

1) वृक्ष हमें छाया देते है।
2) वृक्ष से औषधि, फल -फूल आदि प्राप्त होते है।
3) विभिन्न प्रकार के फल - आम, अंगूर, केले, संतरा आदि।

4) वृक्ष हमें अत्यधिक लगाना =>

वृक्ष हमें अत्यधिक लगाना चाहिए और दूसरे को भी जागरूक करना चाहिए। हमारा कर्तव्य है कि ~~वृक्षों~~ वृक्षारोपण करे। ~~सभी~~ सारे विश्व में 05 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

B
S
E

उपसंहार =>

वृक्षों का हमारे जीवन में महत्व बहुत अधिक है। ये बहुत उपयोगी होते है। हमें प्रत्येक साल ~~वृक्षों~~ वृक्षारोपण करना चाहिए। वृक्ष हमारे सच्चे साथी है।

प्रश्न क्रमांक – (16)

जननी और जन्मभूमि

जननी और जन्मभूमि हमारी माताएं समान हैं। जिसे हमें जन्म दिया है वह अपनी जननी कहलाती है। और जन्मभूमि वह देश के खातिर हमें देश का गौरव बढ़ाना चाहिए। देश प्रेम की भावना हमारे अन्दर होना चाहिए। देश की रक्षा हम करने में हिम्मत होनी चाहिए। हमें अपनी जननी का मान सम्मान बनाये रखना चाहिए।

B S E

प्रश्न क्रमांक – (14) (अथवा)

फिल्म और रंग